

भारत सरकार
Government of India
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (एम. ओ. ई. एस.)
Ministry of Earth Sciences (MoES)
भारत मौसम विज्ञान विभाग
INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT
नवंबर 2026 के लिए वर्षा और तापमान का मासिक आउटलुक
Monthly Outlook for Rainfall and Temperature for November 2026

मुख्य बातें

- क) नवंबर 2026 में दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत (जिसमें तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, रायलसीमा, केरल और माहे, तथा दक्षिण आंतरिक कर्नाटक जैसे पांच मौसम विज्ञान संबंधी उप-मंडल शामिल हैं) में मासिक वर्षा सामान्य से नीचे (दीर्घकालिक औसत (एलपीए/LPA) के 77% से कम) रहने की संभावना है।
- ख) देश के अधिकांश हिस्सों में वर्षा सामान्य से नीचे रहने की संभावना है। हालांकि, मध्य, उत्तर-पश्चिम और पूर्वोत्तर भारत के कुछ क्षेत्रों में नवंबर 2026 के दौरान सामान्य या उससे अधिक बारिश हो सकती है।
- ग) नवंबर के दौरान, देश के अधिकांश हिस्सों में अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक रहने की संभावना है। केवल हिमालय की तलहटी वाले कुछ क्षेत्रों में अधिकतम तापमान सामान्य या सामान्य से नीचे रहने की उम्मीद है।
- घ) नवंबर के दौरान, देश के अधिकांश हिस्सों में न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक रहने की संभावना है, सिवाय मध्य और पूर्वी भारत के ज्यादातर हिस्सों को छोड़कर जहां न्यूनतम तापमान सामान्य या सामान्य से नीचे रहने की संभावना है।
- ड) वर्तमान में, भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर (Equatorial Pacific Ocean) में बहुत मजबूत 'अल नीनो' (El Nino) की स्थिति बनी हुई है। 'मानसून मिशन कपल्ड फोरकास्ट सिस्टम' (एमएमसीएफएस/MMCFS) और अन्य वैश्विक जलवायु मॉडलों के नवीनतम पूर्वानुमान के अनुसार नवंबर से दिसंबर 2026 के दौरान भी बहुत मजबूत 'अल नीनो' की स्थिति बने रहने की संभावना है।
- च) वर्तमान में हिंद महासागर में 'हिंद महासागर द्विध्रुव' / 'इंडियन ओशन डाइपोल' (आईओडी/IOD) की स्थिति 'न्यूट्रल' (तटस्थ) है। 'मानसून मिशन कपल्ड फोरकास्ट सिस्टम' (एमएमसीएफएस/MMCFS) और अन्य वैश्विक जलवायु मॉडलों के नवीनतम पूर्वानुमानों के अनुसार, पोस्ट-मानसून ऋतु (post-monsoon season) में भी IOD की स्थिति 'न्यूट्रल' बनी रहने की संभावना है (दिसंबर तक)।
- आईएमडी नवंबर 2026 के अंत में दिसंबर से जनवरी (DJF 2026) के लिए 'ऋतुनिष्ठ दृष्टिकोण' / 'सीजनल आउटलुक' और दिसंबर 2026 के लिए वर्षा तथा तापमान का मासिक पूर्वानुमान जारी करेगा।

नवंबर 2026 के लिए वर्षा और तापमान का मासिक आउटलुक

1. पृष्ठभूमि

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत, जिसमें पाँच मौसम विज्ञान संबंधी उप-मंडल (तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल; तटीय आंध्र प्रदेश और यनम; रायलसीमा; केरल और माहे; तथा दक्षिण आंतरिक कर्नाटक) शामिल हैं, में अक्टूबर से दिसंबर (OND) की ऋतु के दौरान काफी अच्छी बारिश होती है। वर्ष 2021 से, भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) ने देश भर में वर्षा और तापमान के लिए मासिक और ऋतुनिष्ठ सक्रियात्मक पूर्वानुमान जारी करने हेतु एक नई रणनीति अपनाई है। इस नई पद्धति में मौजूदा सांख्यिकीय पूर्वानुमान प्रणाली को, हाल ही में विकसित 'मल्टी-मॉडल एन्सेम्बल' (एमएमई/ΜΜΕ) आधारित पूर्वानुमान प्रणाली के साथ जोड़ा गया है। ΜΜΕ पद्धति में विभिन्न वैश्विक जलवायु पूर्वानुमान और अनुसंधान केंद्रों से प्राप्त 'कपल्ड ग्लोबल क्लाइमेट मॉडल' (सीजीसीएम/CGCMs) के डेटा का उपयोग किया जाता है। इसमें IMD का 'मानसून मिशन कपल्ड फोरकास्ट सिस्टम' (एमएमसीएफएस/ΜΜCFSS) मॉडल भी शामिल है। इसी के अनुरूप, IMD ने 2026 के दक्षिण-पश्चिम मानसून सीजन (जून से सितंबर) के लिए विभिन्न ऋतुनिष्ठ पूर्वानुमान, और साथ ही पूरे देश के लिए मासिक वर्षा पूर्वानुमान जारी किए हैं। इसके अलावा, IMD ने दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में मानसून-पश्चात (अक्टूबर से दिसंबर) ऋतु की वर्षा के लिए भी पूर्वानुमान जारी किए हैं, साथ ही पूरे देश में OND सीजन के दौरान संभावित वर्षा के वितरण का विवरण भी दिया है।

आईएमडी/IMD ने नवंबर 2026 के लिए वर्षा और तापमान का पूर्वानुमान तैयार किया है, जिसे नीचे दिए गए अनुभागों में बताया गया है।

2. नवंबर 2026 के दौरान वर्षा का संभावित पूर्वानुमान

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत (जिसमें पांच मौसम संबंधी उप-मंडल शामिल हैं - तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल; तटीय आंध्र प्रदेश और यनम; रायलसीमा; केरल और माहे; तथा दक्षिण आंतरिक कर्नाटक) में नवंबर 2026 के दौरान मासिक वर्षा के सामान्य से नीचे (दीर्घकालिक औसत (LPA) के 77% से कम) रहने की सबसे अधिक संभावना है। 1971 से 2020 तक के आंकड़ों के आधार पर, नवंबर के महीने में दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में वर्षा का दीर्घकालिक औसत (LPA) लगभग 118.7 मिमी है। नवंबर 2026 में पूरे देश में भी मासिक वर्षा के सामान्य से नीचे (LPA के 77% से कम) रहने की सबसे अधिक संभावना है। 1971 से 2020 तक के आंकड़ों के आधार पर, नवंबर के महीने में पूरे देश में वर्षा का दीर्घकालिक औसत (LPA) लगभग 29.7 मिमी है।

नवंबर 2026 के दौरान देश भर में वर्षा के संभावित पूर्वानुमानों का स्थानिक वितरण टर्साइल श्रेणियों में (सामान्य से अधिक, सामान्य और सामान्य से निचे) चित्र 1. में दर्शाया गया है। देश के अधिकांश हिस्सों में वर्षा के सामान्य से नीचे रहने की संभावना है, सिवाय मध्य, पूर्वी, उत्तर-पश्चिम और पूर्वोत्तर भारत के कुछ क्षेत्रों को छोड़कर, जहां नवंबर 2026 के दौरान सामान्य से लेकर सामान्य से अधिक वर्षा होने की संभावना है। मानचित्र में दिखाए गए बिंदुदार क्षेत्रों में जलवायु विज्ञान के अनुसार नवंबर के

दौरान बहुत कम वर्षा होती है। स्थलीय क्षेत्र के भीतर सफेद रंग से दर्शाए गए हिस्सों के लिए मॉडल से कोई पूर्वानुमान संकेत नहीं मिला है।

3. नवंबर 2026 के दौरान देश भर में तापमान का संभावित पूर्वानुमान

चित्र 2ए और 2बी में क्रमशः नवंबर 2026 के दौरान अधिकतम और न्यूनतम तापमान का संभावित पूर्वानुमान दर्शाया गया है। नवंबर के दौरान, देश के अधिकांश हिस्सों में अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक रहने की संभावना है, सिवाय हिमालय की तलहटी के कुछ क्षेत्रों को छोड़कर, जहाँ अधिकतम तापमान सामान्य या सामान्य से नीचे रहने का अनुमान है (चित्र 2ए)। नवंबर के दौरान, देश के अधिकांश हिस्सों में न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक रहने की संभावना है, सिवाय मध्य और पूर्वी भारत के कई हिस्सों को छोड़कर, जहाँ न्यूनतम तापमान सामान्य या सामान्य से नीचे रहने की संभावना है (चित्र 2बी)।

4. प्रशांत और हिंद महासागर में एसएसटी/SST (समुद्र की सतह के तापमान) की स्थितियां

वर्तमान में, भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर (Equatorial Pacific Ocean) में बहुत मजबूत 'अल नीनो' (El Nino) की स्थिति बनी हुई है। नवीनतम 'मानसून मिशन कपल्ड फोरकास्ट सिस्टम' (MMCFS) और अन्य वैश्विक जलवायु मॉडलों के पूर्वानुमान बताते हैं कि नवंबर से दिसंबर 2026 के दौरान बहुत मजबूत 'अल नीनो' की स्थिति रहने की संभावना है।

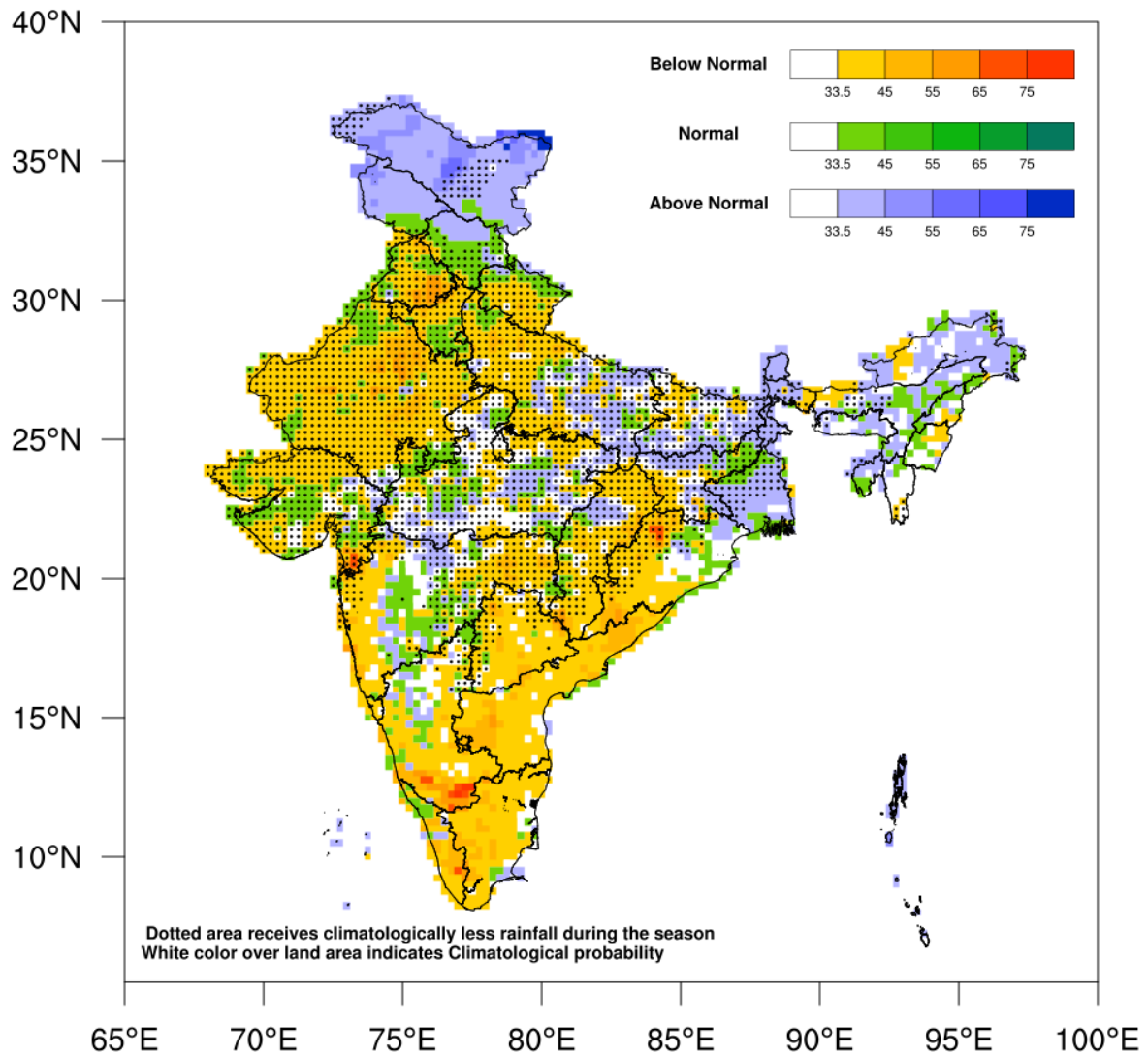
प्रशांत महासागर में ENSO स्थितियों के अलावा, अन्य कारक भी भारतीय जलवायु को प्रभावित करते हैं, जैसे कि हिंद महासागर में समुद्र की सतह का तापमान (SST)। वर्तमान में, 'हिंद महासागर द्विध्रुव/इंडियन ओशन डाइपोल' (IOD) का मान सकारात्मक IOD की प्रभाव सीमा (+0.4 °C) से ऊपर चला गया है। हालाँकि, किसी घटना को पूरी तरह से स्थापित मानने के लिए, इस प्रभाव सीमा से ऊपर मानों का लगातार बने रहना आवश्यक है। नवीनतम 'मानसून मिशन कपल्ड फोरकास्ट सिस्टम' (MMCFS) और अन्य वैश्विक जलवायु मॉडलों के पूर्वानुमान संकेत देते हैं कि पोस्ट-मानसून ऋतु (post-monsoon season) में IOD की स्थिति 'न्यूट्रल' (तटस्थ) बनी रहने की संभावना है (दिसंबर तक)।

5. विस्तारित अवधि (एक्सटेंडेड रेंज) पूर्वानुमान और लघु से मध्यम अवधि/रेंज की पूर्वानुमान

IMD देश भर में वर्षा और अधिकतम व न्यूनतम तापमान के लिए विस्तारित अवधि का पूर्वानुमान (अगले चार हफ्तों के लिए 7-दिन का औसत पूर्वानुमान) प्रदान करता है, जिसे हर हफ्ते बृहस्पतिवार को अपडेट किया जाता है। यह IMD में वर्तमान में कार्यरत 'मल्टी-मॉडल एन्सेम्बल डायनामिकल एक्सटेंडेड रेंज फोरकास्टिंग सिस्टम' पर आधारित है। ये पूर्वानुमान IMD की वेबसाइट <https://mausam.imd.gov.in> पर उपलब्ध हैं।

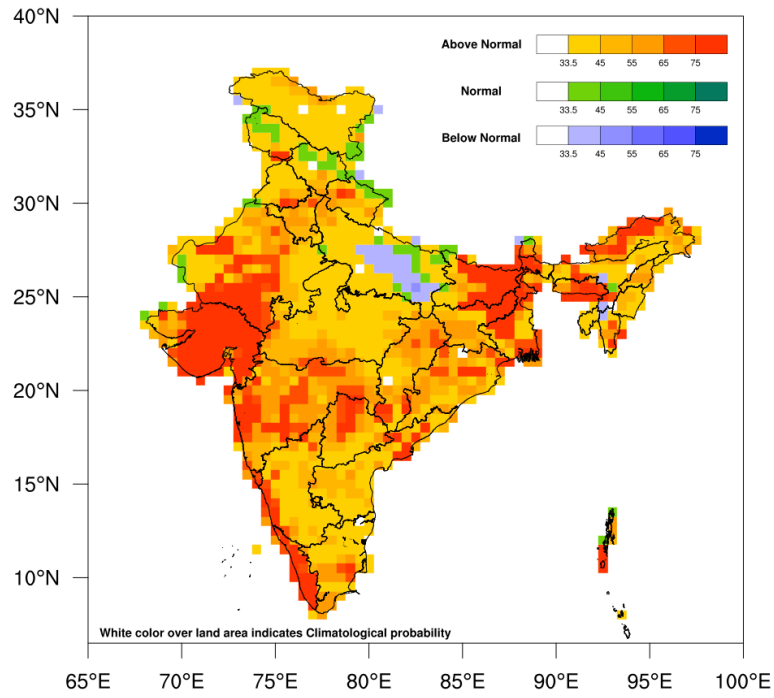
विस्तारित अवधि के पूर्वानुमान के साथ-साथ, IMD द्वारा दैनिक रूप से अल्प से मध्यम अवधि के पूर्वानुमान भी जारी किए जाते हैं।

Probability rainfall forecast for November 2026



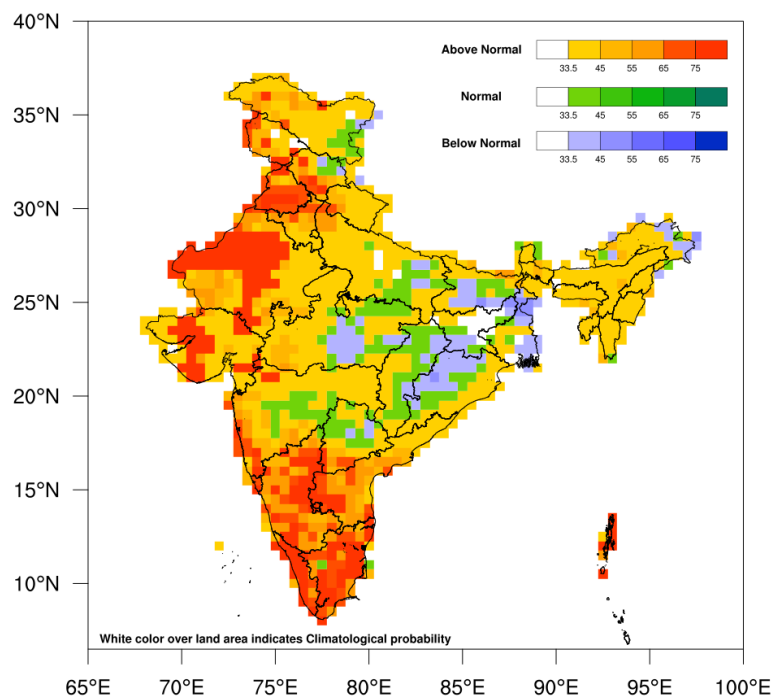
चित्र 1. नवंबर 2026 के दौरान भारत में वर्षा के लिए टर्साइल श्रेणियों* (सामान्य से नीचे, सामान्य और सामान्य से अधिक) का संभावित पूर्वानुमान। यह चित्र सबसे संभावित श्रेणियों और उनकी प्रायिकताओं को दर्शाता है। मानचित्र में बिंदीदार क्षेत्रों में जलवायु की दृष्टि से नवंबर के दौरान बहुत कम वर्षा होती है, और ज़मीन पर सफ़ेद रंग वाले क्षेत्रों के लिए मॉडल द्वारा कोई पूर्वानुमान संकेत नहीं दिया गया है। (*टर्साइल श्रेणियों में से प्रत्येक की जलवायु-संबंधी प्रायिकता समान रूप से 33.33% होती है)।

Maximum Temperature Outlook for November 2026



चित्र 2ए. नवंबर 2026 के दौरान भारत में अधिकतम तापमान का संभावित पूर्वानुमान।

Minimum Temperature Outlook for November 2026



चित्र 2बी. नवंबर 2026 के दौरान भारत में न्यूनतम तापमान का संभावित पूर्वानुमान।